UTTAR PR... 4593 30Rs.

तीस रुपया

भारत INDIA

३०रू. 30RS. THIRTY RUPEES

ॐ

मायाँ कि श्रीमती राम लली बेवा श्री शंकर भट्ट साकिन शिवपुर शहर वाराणसी हाल मुकीम लखनऊ की हूं।

चूंकि हम मुकिर की लड़की कुमारी लीला - शर्मा की शादी करनी बहुत जरूरी है जो रूपये के अभाव से अब तक अंजाम न दी जा सकी। रुपये मुहय्या होने व जुज इन्तकाल जायदाद मुफसला जैल १।४ हिस्सा के और कोई सूरत नजर नहीं आती इसलिए इसलिए उसके फरोख्त करने की बात चीत शुरू की और इसी सिलसिले मे जायदाद मुफसला जैल के १।४ हिस्सा के फरोख्तगी की बातचीत साथ श्री मदन मोहन शाह पुत्र श्री नरायन दास जी साकिन नरायन पार्क शिवपुर शहर वाराणसी से वकीमत मुबलिग - ७०० रूपया सात सौ रूपया निखर्चे तय व पोख्ता हो गई है जो कीमत व लेहाज मौजूदा मालियत सही व मुनासिब मिल रही है इससे ज्यादा कोई दूसरा शख्स देने को तैयार नहीं है पस बैनामा हाजा व कीमत मुबलिग - ७०० रूपया सात सौ रूपया कि जिसका आधा ३५० रूपया तीन सौ पचास रूपया होता है बहक श्री मदन मोहन शाह मजकूर तहरीर करके हस्ब जैल इकरार करते व पाबन्द शरायत जैल के होते है :-

नं० १५४

(३०) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: शारदा प्रसाद रामप्रकाश वीकारस्त

बैनामा 200

शुल्क रजिस्ट्री	शब्द लगभग	लिखाई	योग
15.00	8.00	2.25	17.25

श्री मती ... लाली विधवा ... शिव...
वृत्ति ... निवासी मुहल्ला हाल डालडी गंज
लाइन
परगना ... शहर / जिला वाराणसी (उ. प्र.)
ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार वाराणसी में आज
दिनांक 1 माह जुलाई सन 66 ई० को
समय 2-3 बजे के मध्य दिन में रजिस्ट्री के
हेतु प्रस्तुत किया।

1.7.66

चीफ सब रजिस्ट्रार.

द. एस दत्त

इस पत्र के लिखान व सम्पादन को तथा समर्थन
धनराशि / ... की प्राप्ति को ...
जिसमे से ... नकद मेरे
सम्मुख प्राप्त कर उपरोक्त श्री मती ... लाली
... ने स्वीकार किया जिसकी पहिचान श्री ... देवराज
पुत्र श्री ... वृत्ति ...
निवासी मुहल्ला/ग्राम ... परगना ... दो लक्ष्मी
शहर /जिला वाराणसी ने तथा श्री ... राम ...
पुत्र श्री ... वृत्ति ...
निवासी ... मुहल्ला ग्राम ...
परगना ... शहर जिला वाराणसी ने की

1.7.66

चीफ सब रजिस्ट्रार.

चीफ सब रजिस्ट्रार बनारस जिला उत्तर प्रदेश सत्यमेव जयते

राम दत्त   देवराज ...   द: गंगाराम

उपरोक्त अँगुष्ठ चिन्ह व्यक्तियों के जो बड़े पतीत होते हैं नियमानुसार लिए गए हैं।

1.7.66

चीफ सब रजिस्ट्रार

UTTAR PRADESH 4 Rs

INDIA

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

-२-

१ - यह कि कुल जर सम्मन बैनामा हाजा मुवलिग - ७०० रूपया नकद रूबरू सब रजिस्ट्रार साहब वाराणसी वसूल पा लिया अब एक हिब्बा जिम्मा मुश्तरी मौसूफ बाकी नहीं है उजुर अब या आइन्दा बाबत अदम वसूली जर सम्मन व मुकाबिले वसीका हाजा झूठा व नाजायज होगा।

२ - यह कि हिस्सा जायदाद मुवइया के मालिक मुस्तकिल आज की तारीख से मुश्तरी मौसूफ हो गए और उसमे जो जो हक व हकूक हम मुकिर को हासिल थे या आइन्दा होते वह सब जुमला हक व हकूक आज की तारीख से वहक मुश्तरी मौसूफ मुन्तकिल हो गए और जायदाद मुवइया पर कब्जा व दखल मालकाना आज की तारीख से बजाय अपने मुश्तरी मौसूफ का करा दिया मुश्तरी मौसूफ को चाहिए कि जायदाद मुवइया पर वमिस्ल हम मुकिर मालकाना काबिज व दखील रह कर जुमला फैल मालकाना अमल में लावे और जो चाहे सो करे अब हम मुकिर से जायदाद

नं० १५५.

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदनमोहन शाह सा: शिवपुरा गाडरवारा

द: शारदाप्रसाद स्टाम्पफरोश वि०कारटांडी.

सत्यमेव जयते

UTTAR PRADESH 4 Rs

INDIA

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

जायदाद मुवश्या से कोई वास्ता व सरोकार किसी किस्म का बाकी नहीं रह गया और न आइन्दा होगा ।

३ - यह कि हिस्सा जायदाद मुवश्या तनहा मिलकियत हम मुकिर की है इसमें कोई दूसरा शख्स सरीक व सहीम ख्वाह हिस्सेदार नहीं है और हर तरह के बार देन व जमानतदारी व जिम्मेदारी से पाक व साफ व बेखलिश है और पाक व साफ बेखलिश बय की जाती है इन सभी बातो को हम मुकिर ने जाती इतमिनान मुश्तरी मौसूफ को दिलाया है और हमारे जाती इतमिनान दिलाने पर मामला बैनामा कराना मंजूर किया हैं अगर खिलाफ इसके कोई अम्र जहूर में आवे या बवजह फेल या तर्क फेल या अदमदस्तहकाकी हम मुकिर कब्जा व दखल

अ०१५६:

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर नमस्ती।

द: श्यामा प्रसाद [illegible] काण्डपाल(?)

UTTAR PRADESH 4 RS

INDIA

चार रुपया

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

मुश्तरी मौसूफ में कोई खलल वाका हो ख्वाह किसी

वजह से जायदाद मुवइया का कुल ख्वाह जुज कब्जा

व दखल मुश्तरी मौसूफ से निकल जावे या कोई बार अदा

करना पड़े तो बहर सूरत मुश्तरी मौसूफ मजाज इसके

होंगे कि अपना कुल रूपया या जुज रूपया और जो रूपया

अदा करना पड़े मय सामी व खर्चा तरकी हैसियत व खसारा

मय सूद वशरह १ रूपया सैकड़ा माहवारी जात व जायदाद

न० १५६

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: शारदा प्रसाद स्टाम्प फ़रोश वी० वाराणसी।

UTTAR PRADESH 1R.25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

हम मुकिर व नीज जायदाद मुवस्या से वसवील मुनासिब

वसूल कर लेवे ।

४ - यह कि जुमला शरायत वाला की पाबन्दी हम मुकिर

व वारिसान व कायम मुकामान हम मुकिर पर जरूरी व

व लाजिमी है व होगी जिसको हम मुकिर ने बखुशी व

रजामन्दी व दुरुस्ती होस हवास व सेहत जात सबात

न० १५८.

(११) ता० ३०-६-६६ ई० बा० मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: शारदा प्रसाद स्टाम्प फ़रोश वाराणसी.

कलेक्टर बनारस जिला बनारस
उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 1R? 25 nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

-६-

अक्ल बिला किसी जोर व दबाव के अपने नफा नुक्सान को समझ कर और राय आजादाना हासिल करके बख़ूबी पढ़ व पढ़वा कर सुन व समझ कर और इसके सभी बातों से वाकिफ हो कर तहरीर किया है।

इसलिए यह चन्द कलमा बतरीक बैनामा लाकलामी के तहरीर कर दिया कि वक्त पर काम आवे व सनद रहे।

तफसील जायदाद मुबइया

आराजी भूमिधरी बाग नम्बरी जैल वाका मौजा भरलाई

न० १५७.

(वा) ता० ३०-६-६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: शारदाप्रसाद स्टाम्प फरोश वी० वाराणसी·

सब रजिस्ट्रार बनारस जिला बनारस

उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 1R.

INDIA

एक रुपया एक रुपया

ONE RUPEE भारत ONE RUPEE

परगना शिवपुर जिला वाराणसी मय जुमला दरख्तान हर एकसाम वगैरह वगैरह बिला इस्तसनाय किसी जुज व शै के जिसमें १।४ हिस्सा क्य किया।

नम्बर	रकबा	लगानी
१०८।२ एक सौ आठ बटा दो	-८२ बयासी डिसमिल	
१०८।३ एक सौ आठ बटा तीन	-३६ छत्तिस डिसमिल	
१०८।४ एक सौ आठ बटा चार	-३८ अड़तीस डिसमिल	
११२।३ एक सौ तेइस बटा तीन	-७ सात डिसमिल	
४ चार	१ - ६३ एक एकड़ तिरसठ डिसमिल	१ -१४ एक रुपया चौदह पैसा म जुमला हक व हिस्सा

अपना बकदर १।४ के बै किया है आराजी भूमिधरी बाग नम्बरी जैल वाका मौजा कादीपुर परगना शिवपुर जिला वाराणसी मय जुमला दरख्तान वगैरह वगैरह बिला इस्तसनाय किसी जुज व शै के बै किया गया।

नम्बर	रकबा
२१ एक्कइस	-८३ तिरासी डिसमिल में १।४ एक बटा चार जुमला हक व हिस्सा अपना बकदर १।४ एक बटा चार के बै किया है।

तहरीर तारीख:- १ - ७ - ६६ ई०

नोट - पृष्ठ १ के लाइन २ में शब्द की बालाय सतर है तथा ठीक उसके नीचे वाला शब्द कटा है।

Guru Prasad

टाइप कर्ता :- गुरु प्रसाद, कलक्टरी कचहरी, वाराणसी।

रामचन्द्र

नं० १९६०.

१) ता० ३०-६-६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर [illegible]

द: [illegible]

नायब तहसीलदार (सीलिंग) वाराणसी

78

वाद संख्या 1105/2436

आदेश तिथि 16/10/2001

बही नं० [illegible]

[illegible]

३ सितम्बर सन [illegible] ई० को

[illegible]

बनारस

उत्तर प्रदेश